This question paper contains 2 printed pages. **Your Roll No. .....**

Sl. No. of Ques. Paper	**: 3617**	**FC**
Unique Paper Code	**: 12101101**	
Name of Paper	**: Indian Philosophy**	
Name of Course	**: B.A. (Hons.) Philosophy**	
Semester	**: I**	
Duration	**: 3 hours**	
Maximum Marks	**: 75**	

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

NOTE:— *Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.*

टिप्पणी:— *इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

*Attempt **all** questions. All questions carry equal marks.*

***सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

1. Discuss the common concerns of the Indian Philosophical Systems.

   भारतीय दर्शन की सामान्य धारणाओं की विवेचना कीजिए।

   Or **(अथवा)**

   Discuss the nature of Self according to Upaniṣad.

   उपनिषदों में प्रतिपादित आत्मा की अवधारणा की विवेचना कीजिए।

2. Give a critical estimate of Cārvāka materialism.

   चार्वाक दर्शन के जड़वदी सिद्धांत की समीक्षात्मक व्याख्या कीजिए।

   Or **(अथवा)**

   "*Pratītyasamutpādavāda* is the basic teaching of Buddhism." Comment.

   "प्रतीत्यसमुत्पादवाद बौद्ध दर्शन की मौलिक शिक्षा है।" टिप्पणी कीजिए।

3. How does evolution take place according to *Sāṁkhya*? What is the role of *Prakṛti* in it?

सांख्य दर्शन के अनुसार विकास किस प्रकार होता है? इसमें प्रकृति की क्या भूमिका है? व्याख्या कीजिए।

Or (अथवा)

Compare and contrast the theory of intrinsic validity of knowledge of Pūrva-mīmāṁsā with the theory of extrinsic validity of knowledge of Nyāyā.

पूर्व-मीमांसा के स्वतःप्रामाण्यवाद तथा न्याय दर्शन के परतःप्रामाण्यवाद सिद्धान्त की तुलनात्मक समीक्षा कीजिए।

4. Explain *Śaṁkara*'s notion of Māyā. How does Rāmānuja refute it? Discuss.

शंकर की माया की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। रामानुज किस प्रकार इसका खंडन करता है? विवेचना कीजिए।

Or (अथवा)

State and explain the notion of Brahman as propounded by *Śaṁkara.*

शंकर की ब्रह्मविषयक अवधारणा की व्याख्या कीजिए।

5. Write short notes on any *two* of the following:

(i) Puruṣa in *Sāṁkhya*

(ii) *Syādvāda* in Jainism

(iii) Rāmānuja's conception of Brahman

(iv) Satkāryavāda

(v) Four Noble Truths.

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:

(i) सांख्य दर्शन में पुरुष

(ii) जैन दर्शन में स्याद्वाद

(iii) रामानुज के ब्रह्म विचार

(iv) सत्कार्यवाद

(v) चार आर्य सत्य।